भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3129
गुरुवार, 7 अगस्त, 2025/16 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विशेष पैकेज के अंतर्गत बिहार में विमानपत्तनों का विकास

3129. श्री कौशलेन्द्र कुमार:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार के लिए विशेष पैकेज के अंतर्गत विकसित किए जा रहे विमानपत्तनों का ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ख) उक्त विशेष पैकेज के अंतर्गत बिहार में विमानपत्तनों के विकास पर अब तक खर्च की गई कुल निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): बिहार के लिए विशेष पैकेज के अंतर्गत बिहार में सहित विकसित किए जा रहे हवाईअड्डों और उन पर व्यय की गई धनराशि का विवरण निम्नानुसार है:

(i). पटना में एक ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे का निर्माण – भारत सरकार (जीओआई) ने देश में नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास हेतु एक ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 तैयार की है। इस नीति के अनुसार, यदि राज्य सरकार सहित कोई भी हवाईअड्डा विकासकर्ता हवाईअड्डा विकसित करना चाहता है तो उसे एक उपयुक्त स्थल की पहचान करनी होगी और हवाईअड्डे के निर्माण हेतु व्यवहार्यता संबंधी अध्ययन करवाना होगा तथा 'स्थल स्वीकृति' और उसके बाद 'सैद्धांतिक' अनुमोदन के लिए केंन्द्रीय सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा वर्ष 2019 में सोनपुर, वर्ष 2024 में राजगीर और वर्ष 2025 में सुल्तानगंज में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास हेतु व्यवहार्यता संबंधी अध्ययन किया गया। उचित निर्णय हेतु इन अध्ययन रिपोर्टों को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा बिहार सरकार (जीओबी) को भेजी गईं।

इसके पश्चात, बिहार सरकार ने जनवरी, 2025 में राजगीर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के लिए 'स्थल स्वीकृति' प्रदान करने हेतु नागर विमानन मंत्रालय को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। तथापि, नागर विमानन मंत्रालय ने जनवरी, 2025 में प्रस्ताव को वापस कर दिया, और बिहार सरकार से आवश्यक दस्तावेजों के साथ विधिवत भरा हुआ स्थल स्वीकृति आवेदन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।

वर्तमान में, जीएफए नीति, 2008 के तहत पटना में या उसके निकट ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण के लिए स्थल-स्वीकृति का कोई प्रस्ताव भारत सरकार के पास लंबित नहीं है।

तथापि, मौजूदा पटना हवाईअड्डे पर एक नया टर्मिनल भवन बनाया गया है, जिसे दिनांक 03.06.2025 को चालू कर दिया गया है। पटना हवाईअड्डे के विस्तार पर अब तक 1040.24 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। इसके अलावा, एएआई ने 1413 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बिहटा हवाईअड्डे पर एक सिविल एन्क्लेव का विकास कार्य शुरू किया है।

(ii) पूर्णिया हवाईअड्डे पर सिविल एन्क्लेव का विकास - एएआई ने हवाईअड्डे पर एक अंतरिम टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य शुरू किया है। अब तक, इस पर 18.25 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

(iii) गया हवाईअड्डे का विकास - गया हवाईअड्डे पर एक नए टर्मिनल भवन का निर्माण और रनवे का विस्तार, राज्य सरकार द्वारा एएआई को आवश्यक भूमि सौंपे जाने पर निर्भर है। गया हवाईअड्डे पर एक नियंत्रण टावर का निर्माण और एप्रन का विस्तार 35.91 करोड़ रुपए की लागत से पूरा हो चुका है।

(iv) रक्सौल हवाईअड्डे का विकास - रक्सौल हवाईअड्डे पर ए320टाइप विमान के संचालन को सुगम बनाने के लिए, एएआई ने राज्य सरकार से 139 एकड़ अतिरिक्त भूमि का अनुरोध किया है।

******